निष्कर्ष एवं सुझाव :-

गुलाबी गैंग ने समाज की गतिविधियों को एक नई दिशा दी जिसमें एक स्वालंबन गाँव का सपना जिसको राष्ट्र पिता महात्मा ने कहा था उसको साकार किया है, जो किसी हद तक पूरा हुआ। जो वहाँ के निवासियों में दिखता है उन्होनें उत्थान के लिए अथक प्रयास किया है गुलाबी गैंग से जुडने के पश्चात एक जागरूकता आयी है। परिवर्तन के कुछ पहलुओं को देखने का प्रयास किया है क्योंकि परिवर्तन के सभी पहलुओं पर ध्यान देना कम समय में संभव नहीं हो सकता है।

परिवर्तन के स्रोत आंतरिक और बाह्य दोनों हैं। परिवर्तन सूक्ष्म और वृहत दोनों स्तरों पर होता हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक वर्तमान व्यवस्थाओं के विरोधाभास व उनके अंतरद्वंद को हम आंतरिक कारकों में शामिल करते हैं। सांस्कृतिक संपर्क, आर्थिक और राजनैतिक आदि बाह्य कारक हैं। जिन्हें समझने के लिए सामाजिक परिवर्तन, ग्रामीण जीवन, जाति, परिवार, और सामाजिक, सांस्कृतिक मानकों और मूल्यों पर नजर डालने की आवश्यकता है। ग्रामवासियों में चुनावों के परिणामस्वरूप बहुत अधिक राजनीतिकरण और गुटबंदी हो गई है। बृहत अर्थव्यवस्था और राजनैतिक प्रभाव के कारण ग्रामीण जीवन में बहुत अधिक परिवर्तित हो गया है । यह परिवर्तन अनायास ही नहीं हैं, इसके पीछे के कारणों का पड़ताल करना जरूरी है। आर्थिक एवं राजनीतिक जागरूकता भले ही गांवों तक पहुंची है लेकिन जाति व्यवस्था की बुनियाद अभी भी कमजोर नहीं हुई है। जाति आज केवल खानपान के संबंधों, विवाह के नियमों, अपवित्रता और पवित्रता की धारणाओं पर आधारित अंत:क्रिया प्रतिमानों के मानकों तक ही

सीमित नहीं है, बल्कि जाति चुनावों में एक हित समूह और सामाजिक और सांस्कृतिक गतिशीलता का साधन बन चुकी है। संरचनात्मक दृष्टि से भारत में परिवार बहुत हद तक संयुक्त नहीं हैं, परन्तु प्रकार्यात्मक दृष्टि से संयुक्त बना हुआ है।

सामाजिक परिवर्तन वास्तव में एक बहुत जटिल प्रघटना है। इसके विभिन्न स्वरूप और आभिव्यक्तियाँ है। आर्थिक विकास द्वारा आवश्यक रूप से सामाजिक परिवर्तन नहीं होता, और सामाजिक परिवर्तन द्वारा आवश्यक तौर पर आर्थिक विकास नहीं होता। आर्थिक विकास और सामाजिक परिवर्तन एक दूसरे से स्वतंत्र है।

बरगढ़ ग्राम की गुलाबी गैंग की मुखिया मिथला देवी ने जिस तरह लोगों को जागरूक करने और उनको संगठित कर अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति गाँव में सोचने की प्रवत्ति में उनकी राय लेना और उसको सुचारु रूप से कियान्वयवित करना प्रारम्भ किया वह पहले के मुकाबले ज्यादा बृहद स्तर पर होते हुए देखा जा सकता है। गुलाबी गैंग के पहले गाँव के लोग हमेशा से ही उपेक्षा की नजर से देखा जाता था। लेकिन अब ऐसा नहीं है, खेती में भी दिहाड़ी में कार्य भी करते है और पूरा मेहनत लेते है, गाँव की कोल जनजाति जो गुलाबी गैंग से जुड़ी है इस समाज के हिन्दू समाज के निकट आ जाने से हिन्दू धर्म एवं संस्कृति के लक्षण भी असानी से इसमें घुल-मिल जाते है। इनकी बोली भाषा में परिवर्तन को देखा जा सा सकता है जो गुलाबी गैंग के प्रयास शैक्षणिक कार्यक्रम के तहत एक लयबद्ध भाषा का प्रयोग ग्रामीण वर्ग के लोग पढे लिखे सभ्य समाज के लोगों के साथ करते है। शोध कार्य के दौरान गुलाबी गैंग का प्रभाव गाँव में हो रहे परिवर्तन को देखा जा सकता है जिसमें गाँव के लोग राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेते है और राजनीतिक

परिचर्चा भी करते है। इसके साथ-साथ अपनी दिनचर्या के कार्य जो उनके आर्थिक गतिविधियों से जुड़ा रहता है । जिससे उनके जीवन यापन में आर्थिक कमजोरी व्यवधान न उत्पन्न कर सके । गुलाबी गैंग ने आर्थिक गतिविधि को गति देने के लिए कुछ रोजगार सुलभ कराएं है, जो ना के बराबर ही कहा जायेगा। आर्थिक गतिविधि के बारे में गुलाबी गैंग के संस्थापको से चर्चा की गई जिसमें जय प्रकाश ने कहा "गाँव के जो गुलाबी गैंग के सदस्य है उनको 2014 के अंत तक कई अन्य रोजगारों को लगाने का प्रयास किया जाएगा जिससे गाँव आर्थिक उन्नति से सुदृढ़ हो सके।"

हालाकि गुलाबी गैंग ने सामाजिक चेतना को विस्तारित किया है । जो बरगढ़ गाँव में परिवर्तन लहर एक व्यापक प्रक्रिया के तहत देख सकते है। जिसमें गाँव में खुशहाली का मौहाल बना हुआ है । सामाजिक गतिशीलता और सामाजिक परिवर्तन ने समूहों की चेतना को एक नई गतिविधि के रूप में जोड़ने और सुदृढ़ करने का प्रयास किया। जाति की विशेष संरचनाओं ने अपने विरोध और आपसी सहयोग और संरक्षण से गुलाबी गैंग जैसी संस्थाओं के माध्यम से सामाजिक और आर्थिक उन्नति के रास्तों की खोज की । महिलाओं के उत्थान और उनके संघर्ष की आवश्यक धारणा से इस समूह का जन निर्माण किया गया तब अधिकारों की लड़ाई ने इन्हें स्वालंबी बनाने की प्रक्रिया में भी अभूतपूर्व सहयोग दिया।

मानवशास्त्र के सांस्कृतिक बिंबों में समूह के गतिशील माँडलों को गुलाबी गैंग आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तन का एक सहज उदाहरण है जिसने सांस्कृतिक तत्वों के मूलभूत अंगो को परिवर्तन शील बनाने की कोशिश की है। सामाजिक विचारधारा और

सांस्कृतिक पक्ष को सुदृढ़ बनाने के लिए उन्हें प्राथमिक स्तर पर ही समझने की आवश्यकता है। यही कारण है कि गुलाबी गैंग ने अपने संदर्भित समाज के मूल में परिवर्तन लाने का प्रयास किया जिसके लिए समूह ने आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक पक्ष को परिवर्तित करने का प्रयास किया जो आज बुंदेलखंड की सामाजिक पहचान है।